A–0616

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAJY-602

MA Jyotish (MAJY)

ज्योतिषशास्त्रीय विविध योग एवं दशाफल विचार-01

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. चंद्र कृत अधियोगों के लक्षण एवं फल का विस्तृत विवेचन कीजिए।

2. रुचक, भद्र एवं मालव्य योगों के लक्षण एवं फलों का वर्णन कीजिए।

3. स्व-कल्पित उदाहरण के द्वारा अष्टोत्तरी दशा साधन विधि का प्रतिपादन कीजिए।

4. वेशि, वासि एवं उभयचरी योग के लक्षण एवं फल का विस्तृत विवेचन कीजिए।

5. ग्रह कृत अरिष्ट भंग योगों का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. गदा, शकट, विहग, श्रृगाटक एवं वज्र योगों के लक्षण एवं फल को लिखिए।

2. संख्या योगों के लक्षण एवं फलों का विवेचन कीजिए।

3. स्वकल्पित उदाहरण के द्वारा सूक्ष्म दशा एवं प्राण दशा आनयन की विधि को लिखिए।

4. गजकेसरी योग एवं बुधादित्य योगों के लक्षण एवं फल का विवेचन कीजिए।

5. विपरीत राजयोगों का वर्णन कीजिए।

6. निर्धन योगों का विवेचन कीजिए।

7. हंस एवं शश योगों के लक्षण एवं फल को लिखिए।

8. केमद्रुम योग के लक्षण एवं फलों को लिखिए।

****